M. T. B. COLLEGE, SURAT
Manuscripts Library

No. Ref. / Ser. 343

Title: Agnishtoma Paddhati

343

अग्निष्टोम पद्धतिः

Agnishtoma Paddhati : Title

: Author

: Editor

: Year, Vols.

: Publisher

343 : Remarks

सोमसप्तसंस्थापद्धतो आग्निष्टोमपद्धतिश्चात्र सः॥ [illegible]

नवेतु। सोम ६ सोमः॥ आग्निः॥ कृ दिति॥ [illegible]

प्रस्तावा॥ मरु [illegible] अहर्मं। प [illegible]

३ श्रीगणेशायनमः॥ ॥ॐम्र पुवाज्जिना २४५ स्र देवजरेतो २३४ म्र। सेहो
वोनेतो। हेता ३ रे२ं रेथानो। ओरिड्रना २३४ यिमीम्र। इतनो ३४३ जे
४ मो शुम्र। स्वेस्तजायि। तो स्येमिहा ३४ ३। ई २ वो ५ यिमा ६५ ६॥ १॥
रेयइयो ३ होयि। यम्र पुवाज्जिना ३न्दै ३ वेजरे तम्र॥ ई४ यईयोहि
२३४ यि। सेहोवोनेतो। हेता ३ रे२ं रेथोनाम्र। ईयइया ३ होयि
। अरिड्रा ३ नो यिमी ३ इतनोजमो शु। ई४ यइयोहो २३४५ यि
। स्वेस्तयायि। तो स्येमिहो ३४ २ हू ३ वो ५ यिमा ६५ ६॥ २॥

वौअयोसाइत। ईडुरिड्रा। स्या२निष्कृताम्र। सरवासेरव्हः। नेप्रेमिना। ता२इसे
गिरां। मेर्यइवा। युवतिभाइः। सा२स्मर्षताइ। सोमः कला। शैरातया। मा२नोप
था ३१२ ३। वो२३४५। प्रवोधियो। मेंद्रयुवो। वा२इपन्युपाः। पेनस्युवाः। सेवरणाइ
। षरवक्रम्रः। हेरिंक्री ड। तमभ्यन्र। षा२स्तस्तुभाः। अभिधैना। वेःपयसाइत।
आ२शिश्रये ३ रा ३। वो२३४५॥ ४॥ औनः सोमा। संयतंपाइ। ष्मूर्षीमिषांइ ई
देपिवा। स्वेपवमा। ना२ ३ मिणा। योनोदोहा। तैत्रिरहान्र। आ२सम्युषाइ। सु
मद्रो [illegible] जा। वेन्मधुमात्र। स्त्रावीरियो ३ मोड। वा२३४५॥ ५॥ प्रेष्ठवोः। अ

ॐ मा। तो२३ इथीम्। स्तोषेमित्रं। इवेप्रा२३ यीम्। ओग्ना इरो३। थोम्। नोवा
२ २३ हो२४३ थिदो२३४ यो६ हाइ। केविभिवो। प्र शंऽसा२३ यीम्। योदे
वोसः। इतिहा२३ इतो। निमानी३ये३ षूवा२३ हा३४३ इदो२३४ धो रामः
६ हाइ। त्वेवंजवोइ। छेदोश्र२३ षाः। न्देऽं पाहिम्रणुहीगा२३ इराः।
रसानो३ को३म्। कुता२३ हा३४३ इत्सो२३४ नो६ हाइ। सोब्रत्न रा.
ण्वोम्रत्रिः ण्वो मिंद्रा गच्छ हेरिव ओगच्छ मेधातिथे मेंषवृषणश्व स्यमे
ने। मौरावस्कंदि मेहल्यायैजारकौशि ब्राह्मणगौतम ब्रुवाण। च्येह २

कै

कत्वोमागच्छ मघवंदेवोब्रह्मणा ओगच्छतोगच्छेतोगच्छेत। । हौवाजो
।ता२३४ ई। विश्रंजते संमंजते। ऐहियो। ऐहियो३४ हाउ कांतत्वरो
२३४ ई। हंतिमधवा मियंजते। ऐहियो। ऐहियो३५ हाउ। साइधोः
ऐहियो। उ२३४ नूभ्वासिपतयेनतुक्षेणो। ऐहियो२४ हाउ। हाइरोयय२३४ धो
कौः पस्युमेफ्फेंद्रभणते। ऐहियो। ऐहियो३५ हाउ हो५ ईडा५ ।। हौवा३
शुक्रेम्। ३। शुक्रेऽं शुक्रेम्। शुक्रेऽं शुक्रेम्। शुक्रेऽं शुक्रेम्। शुक्रेऽं
शुक्रेम्। शुक्रेऽं शुक्रेम्। शुक्रेऽं शुक्रेम्। नियुत्वान्वायो३ वा गो।

उ॰ हीर। अयंसुको आ३यांसो१ ईतार्इ। मंतासिस्कन्वा २ तोंगे१ हा२३ मू। ही
उ२ ३।सुकेस। ३ सुके सुकेस २ सुकेउ४ सुकेस ।२सुके ४सुके ४सुकेश
२ सेरको२३४।औहोवा। ए। सुकेस ३।६।। होउ। प्रसोमदेवा ३वोइतो१
या२३ई। होउ ३।।सिंधूर्नपिपे३ अर्णा१ सा२३ होउ।३।अं४शोःप
यसामदिरोना ३ओगे१ वी२३ः।। होउ३।अं छोकोशंम्मा ३ घेभ्के१ ता राम
२३म्। हो३उहो७उवा।धेमः प्रहृक्ते स्तन्वोस मोन्दे घे इधेक्वो२३४५ः
॥६ औहो ३वो२ई३यो। ३।ओइही २।३ प्रेसोमदे।वेवा२३इतो
२३४ पोई।सिंधूर्नपिपेआ२र्णो २३४ सो। अं४ शोःपयसोमदिरः।न
जो२गे२३४ वीः।अंछाकोशम्म।मधुश्चु२३४ तास्म।ओहो२वो
३।ई२यो।३।ओइही २।ओइही २३ओ२यिही २३४ औहोवा।
घेमप्रहकेः स्तन्वोसमानशेमहे स्कवो२३४५ः॥८ होउ३ चंद्रम्३।
चंद्रसचंद्रम्२। चंद्रंचंद्रम्।चंद्रचोद्रेम्२ चंद्रचो द्रम्।अंत्राहगोरा
३मोन्वो१ ता२नाम त्वष्टु२ ३ पोईचो १ या२म्। इसा चंद्रमा३ सो
हे१ हा२३ई। होउ२। चंद्रं चंद्रम्२ ३चंद्रचंद्रम्।।चंद्रे चंद्रेचंद्रे चंद्रे

उ० श्रीः॥ चैडू चोडूम्र २ चैडूम्र चोरडूा २३४ औहोवा। एचंडूम्र ३॥ ९ ऊंघे लौ
४ कोनरोचयः॥ होई। इमोलोकोनरोचयः॥ होई। प्रजोभ्नतमारोचयः २
होई। विश्वंभ्नतेमारोचयः। हो २ हो २३४ औहोवा। घर्म्मज्योती २३४
पेः॥ १० होडु २ होउ। औहो औहो औहोई। इया होउ। इयाहोउ। इ
याहोउ। औहो। इ। औहो। इ। औहो। २ यौ २३४ औहोवा। ऐवत्। इ
डा २३। होउ। होउ। होउ। औहो २ औहोइ। इयाहोउ २ इयाहोउ॥ ४
औहो। इ २॥ स्वादिष्ठयामदिष्ठया। होउ २ होउ। औहो २ औहो

ई। इयाहोउ २ इयाहोउ। औहो। इ २ औहो। २ यौ २३४ औहोवा। ऐवत्।
इडा २३। होउ २ होउ। औहो २ औहोई। इयाहोउ २ इयाहोउ। औहो
इ २। ५ पवस्वसोमधारया। होउ २ होउ। औहो २ औहोई। इयाहोउ
इ २ हा। औहो। इ २ औहो। या २३४ औहोवा। ऐवत्। इडा। २३ होउ २
होउ। औहो २ औहोई। इयाहोउ २ इयाहोउ॥ औहो। इ ३। ई
द्रायपा। तौवोई सुतः॥ होउ २ होउ। औहो २ औहोई। इयाहोउ
२ इयाहोउ। औहो। ई २ औहोयौ २३४ औहोवा। ऐवत्। इडा।

श्री २ ३। होउ २ होउ। औहो २ होई। इया हो उ २ इया होउ। औहो २
५ ई २ औहो १ ई ३। ई डाय मातवोई स्कता:। होउ २ होउ। औहो २ औ
होई। इया होउ २ इया होउ २ औहो १ ई २ औहो वा २ ३४ औहो वा।
ई ३ धेनु ॥ ११ ईयो ३ इया। ईयो २ इया। ईयो ३ इया। अग्ने युं=
क्ष्वा हि २ यैतव। अग्ने युक्ष्वा हि येत वा। अग्ने युक्ष्वा हि ३ येत वा।
ईयो ० ३॥ अश्वासो दाईवा ३ सो धवा:। अश्वासो दाईवा सो ५

धवा:। अश्वासो दाईवा ३ सो धवा:। ईयो ० ३ अरं वहांती ३ औशवा:। अरं वहांती यो शवा:।
अरं वहांती ३ औशवा:। ईयो ० ३ इया ३ उवा ३ आ २। ३ हस। ए ३। पया २ ३४ ५: १२
आत्वा विशंत्विंदा ६ वा:। समुद्रमिव सिंधव:। समुद्रमिव सिंधा २ ३ वा:। न त्वामिंद्राति रिच्यते।
न त्वामा २ ३ इंद्रा। ति रिच्या २ ३ ता ३४ ३ ई। औ २ ३४ ५ ई। डा ॥ १३ ॥ होउ प्राथो:। वेयस्यस
प्रय:। वेना २ मो ३ उवा ३। ईहा। ३ हुवाई। औ २ ३४ वा। ई २ ३४ डा। औनुष्टुभस्य हवि
ष:। हवा २ ई:। यो ३ उवा ३। ईहा। ३ हुवाई। औ २ ३४ वा। ई २ ३४ डा। धातुर्द्युतानात्स
वितु:। वेवा २ ई। स्ला ३ उवा ३। ईहा। ३ हुवाई। औ २ ३४ वा। ई २ ३४ डा। रथंतरमाजभारा
वेसा २ यि। षो ३ उवा ३। ईहा। ३ हुवाई। औ २ ३४ वा। ई २ ३४ डा। ए ३। द्युत ॥ १४ ॥ प्राथो:।

उ. नेयस्यसप्रथः। चेनारमा ३२उवा २३। ईडा। ३। हौईहोवाहा ३उवा २३। ई२३४ हा। औ
६ तुष्टुमस्यहविषः। हवार ई। या ३उवा २३। ईडा। ३। हौईहोवोहा ३उवा २३ ई२३४ हा। धी
तुर्धुतानोत्सवितुः। चवार ई। ला ३२उवा २३ईडा। ३। हौईहोवाहा ३२उवा २३। ई२३४हा।
रथंतरमाजभारा। वसा रयि। षो ३२उवा २३ ईडा। ३। हौई। हो। वाहा ३२उवा २३। ई२३४हा।
ए३। धुला२३४५ः॥ १५॥ हाउ। ३। हं हं हं हं। ३। हाउ। ३। इडंनरो। ने३मधिताहवं
ताई। यस्येरिया। युनज। ताईधियस्ताः। श्रूरौन्दषा। ता३श्रव। सश्रेकामाई। आगोम
ताईव्रजेभ। जोतुवन्नाः। हाउ। ३। हं हं हं हं। ३। हाउ। २हाउ। वा३ई२३४५॥
हाउ ३। इहा। हं हं हं। ३। हाउ ३। इडंनरो। ने३मे श्रीश्रीः श्रीः॥ ६

धिताहवंताइ। यस्येरिया। युनजताईधियस्ताः। शूरौन्दषा। ता
२श्रवसश्रेकामाई। उआगोमताई। व्रजेभजोतुवन्नाः। हाउ ३। इहा
। हं हं हं ३ हाउ २ हाउ। वा३ई २३४५। होइहा ३। इहोईहा ३।
इमोउवांदिविष्टयाः ओहाउ। उस्त्राहवंते अश्विना ओहाउ। अयं
वामह्वेवसेशचीवसू ओहाउ। विशंविशं हि गछथा ओहाउ। हौ
इहा ३। इहोइहा ३४ ओहोवा। ई५ हाहाहोहोहि। होइहा। इहो
इहा २ इमोउवांदिविष्टया होहाउ। उस्त्राहवंतेअश्विना होहाउ॥
इहौइहा। २। हौइहा। ३

म.उ. अयंवामद्रुवसे शचीव स्तहो। हाउ।। विशंविश२ हिगन्त्वथा

हो हाउ। होइ हा इ होइ हा ३। होइ हा इ होइ हा। ३४ औ हो वा।

७ ई२। ३।। कुन्म। २हो।३ हं २। ३। औ हा। ३। औ हो इ। ३। इंद्रन

रोने ३ माधितो हवो ताई। ३। वेयाहहत्र। ३। विप्रो ह येविधर्मे

णो। ३। येस्योरियाः। युनजा। ताई धियस्ता। ३। सत्यमोजः २२ रा.श्र

जः क्रवः। ३। २२ रोन्त्षातो ३ श्रवसश्च्यकामाइ। ३ भेद्र २ ७

दिविदर्थ२

क्रधा। ३ भेद्र २ क्रधेषम्ज्जे मिषम्ज्जे मिषम्ज्जेम्ह। आगोमताई। व्रजेभ

जोतुवान्नाः। ३ व्रुहेहवश। ३। दिवि दधे ३ हेस। ३। हाउवा।। वोगीजसर

वोहहवा २३४५ः।। हाउ ३। ओइहो। ३ आइहियाउ। ओसाउ। ३।

आयाम्ह। ३। नोम्मोः २३। किद्र ३।। इंद्रंनरोने माधिताहवां २ नोई। य

सोयीयुनजतेधियारस्ता। २२ रोन्त्षातोश्रवसश्च्यकाम्। थि। आ

गोमतिव्रजे भजा तुवा २ भोः। मना २३ होइ। प्राणा २३ होइ। चक्ष

२३ होइ। श्रोत्रां २३ होइ। घोषा २३ होइ। व्रता २३ ४ होइ। भूता २३

म.उ. २३४ होई। पाना २३होई। चित्ता २३४ होई। धीला २३होई। रुवाँ २३
होई। ज्यौता २३ इहो। यवा३४ ओहोवा। ऊ २३४५।। ओरो २हा
१ स। इतएतऊ। दोरू। हा२न्। दिव: इच्छानी ३ यारू। हा२न्। अग्म
जयो या ३ थोपो। था २उधा। मंगिरा ३ सोया। यस २:। ओरो ३हो
न २। ओ २३ रो २हा २३४ ओहोवा। स्त २३ ४ वा:। स्याग्नाई:। राम्
। प्रातिद् हती। हाउहो ५ हाउ। अग्निं होतारं मा ३ न्ये ३ १
दो स्वंतं। सग्ना० वसो:। सूनुं सहसोजा ३ ता २ वेदसं स्र। सग्ना०

विप्रोनजा ३ ता ३ वेदसम् स्स नाइ०उ०। यऊ। र्ध्वया ३ स्त ३ वध्वर:।
सग्ना०उ०। देवोदेवा ३ ची ३ या कृपा। सग्ना ३ हा ०उ०। घृतस्य विभ्राष्टि
मनुरष्टको ३ शो चिष:। सग्नाइ०उ०। ओजो। ज्ञाना ३ स्या ३ सर्पिष:।।
ह सग्नाइ:० नी। हाउहो ५ हाउवा। ए३ विश्वसम त्रिणंदहा २३४५
। ए३ विश्वव्यत्रिणंदहा २ ३४५। ए३ विश्वन्यत्रिणंदहा २३४५। २
ओचिक्रदा २त्। ओचिक्रदा ३त्। ओचिक्रदा ५ दे। देषाहरा ३ई। वा

उ. वीहरो३ई। हृषाहरा ५ए। महा न्मित्रा ३ः। माहान्मि त्रो ३ः। महान्मित्रा ५
यानदर्शतो ३ः। नोदर्शता ३ः। नदर्शता १५ ए। सं२ं क्रिया ३ ई। सा१ं क्रि
यो ३ई। सं२ं सूरिया ५ ए। णादि घता ३ई। णादिघता ३ई। ण्वा ५ ई घता उ
१ वा।। इ ष्टाहोत्रा।। ओस्र क्षो २३४ ता इ दे [illegible] वा। तोरध्वा २३४ राइ
ओक्षा ३ वोम्ह्। थेमो ३ जो ५ सा ६५६ ए ३ दृधाणीधी १।। । आभिप्रवः
कृरा। घसा ३४ औहोवा। ओइंद्रमर्दे। यथाविदा २३४ ई। औ हो। योज १
रितृभ्यः मोघा २३ वा। पु रु २३४ स्रा। सा हस्त्रे णाइवा ३ शा।

कुम्भाई क्षो २ता २३५ उओ होवा। वा २३४ स्रा। सहस्रेणे वाशिक्षोता २३४
औहोवा। सहस्रेणे। वशाइस्रता २३४ यि। औ ६ हाशातानीकेव। प्राजा २३यि
गा। तिघा २। स्तु २३४ या। हंति वृत्राणि ३दा। कुम्भाई। शू२षा २३४ औहो
वा। वा २३४ स्रा। हंति वृत्राणिदा शुषा २४ औहोवा। हंति वृत्राणिदा शुषा २
३४ यि। औ ६ हा। गिरेरिवप्र। रासा २३ आस्यपा २यि। न्वा २३४ इरायि। दत्रा
णि पुरू ३ भो। कुम्भायि। जा २सा २३४ औहोवा। वा २३४ स्रा। ।। को ५या।
नश्चा ३ यित्रो ३ आसुवात। ऊ। तीसदा वृधेः सरवा। औ ३ हो हायि। केया २३

३. शचायि। छयो हो२। कुम्मार वोर नों ३५ होयि। कौ५ स्वा। सयो ३मो३
दानं। मोपू द्दिष्ठोमो ह्लाद घ। सा। औ ३हो हायि। दृढार ३ चिदा। रुजो
रहो ३। कुम्मा र वो र सो ३५ हायि। औ ५। भीपुणा ३ः सखीना म्र।
१० ओ। विता जरा ई न्द्रणो म्र। औ ३ हो हा यि। शता २३ भवा सियो हो २कु
म्मार तो र यो ३५ होयि॥ हाउ २ हाउ। भ्राजो ओवा। ३। अग्निर्मूर्धा
दा ३ वाः को १ कू र त्तू। पातिः पृथिवी ३ या ओ १ या र म्र। अपाᳫं रेताᳫं १०
सी ३ जो ३ न्वो १ ती २३। हाउ हाउ। ३। भ्राजो ओवा। ३। भ्राजो ३ औ५

वा६५६। ए। विश्वस्य जगतो ज्यो ती २३४५॥ ॥ औवा २। ३। सं
ते पया। सी ३ समु यन्तु वाजाः। सं वृष्णियानी ३ अभिमातिषाहाः। औप्या
यमानो ३ अमृता य सोमा। दिवि श्रवासी ३ उत्तमा नि धिष्व। ओवा २। २।
ओ २ वा २३४ औहोवा। ध्वा। ३॥ इमᳫं स्तो २३४ मार्ह। अर्हते
२३४ जा। ता वेदसे ३ होई। रथामि २३४ वा। सं महे २३४ मा। मानीष
यो ३ होई। भद्राहि २३४ नः। प्रमाती ३४ रा। स्या सᳫं सदे ३ हो ई। अ

उ. ग्नाइसा २३४ख्याइ। मोराइषा २३४मा। वायंतवा ३हो२३४५ई डा ॥

अहावो हा २३४ वाः। २। अग्निष्टपातीप्रतिदहतीो। अग्निंहोतारंमान्ये२

११ दास्वंतं। अहावो॰ हतीो। वसोः। सूनुंं सहसोजा२ता३वेदसं। अहा

वो॰हतीो। विप्रान्नजा३ता३वेदसं। अहावो॰ हा। यऊ ध्वैया३

स्त३वध्वरः। अहा॰हती। देवा। देवा३ची३या कृपा। अहा॰हतीो। ११

घृतस्य विभ्राष्टिमनुश२३क्रा२शोचिषः। अहावो॰ हतीो। आ

जुह्वानो३स्या३ सर्पिषः। अहावोहा २३४ वाः। ३। अग्निष्टपाती। प्रति

दहो५तो६५६ई। ५ ३विश्वसमत्त्रिणं दहा२३४५। ३।। अग्नेदासो२३नौ

धन्वा२३ह्वईं देवाः। प्रस्वानासो२३ रथाइवे २३पूर्हरयाः। विचिदा

श्वा२३ नो३वयार३। अग्नेनाआ२३ त्वसनो३षा२३ त्वेनोधियो३१३।

वी२३४पोआ। योऊ्याया ऊ्ा। या था अपूर्विया ओ३हो हा२इया ओ

३हो। मोघवन्तर त्रहत्यायाया ओ३होहा२इया ओ३हो। तोपृथिवी मप्र

औरतया:।

उ. थया। औ३ होहा२इया औहो। तोदस्त्म्भा। उतो दिवा मो३ होहा२इया औ
३हो वाहा उवा ३। ए३ पया २३४५:। तो त्रे तो त्रे। यस्मौ अजायत। औ३ हो
१२ हा२इया औहो। तोदर्कउत ह स्कनाइरो ३होहा२इया औ३हो। तो
द्भिश्व मभि भरसा औ३ होहा२ इया औ३ हो। यज्ञातय श्चजंतुवा
मो३ होहा२इया औ३ होवाहा उवा ३। ए३ पया २३४५:। ओमा ओ रा२
मा। स्नपक्कंमेरया औ३ होहा२इया औ३हो। आस्तयें ५ रोहयो दिवा १३
औ३ होहा२इया औ३हो॥ घर्मेनसा मंतपतो सुरुक्मि भाइरो ३हो

हा२इया औ३हो। जीहं गिर्वणसे ऋहा दो३ होहा२इया औ३ हो वाहा उ
वा ३। ए३ पया २३४५॥ गायंति त्वा गायत्रिण ओ। अर्चत्यर्कमर्की २३
इणो:। ब्रं लाण स्त्वा२ होइ शंत क्रा२३तो ५ उद्वं ५ शमि वयो। इमी २ ३
रे। उद्वं ५ शा२३४ मीवायाउवा ३ उप्नमो ५ २ दूरो ३५ हायि॥ ये स्तोनो:
स्नान्वो रु। हओ। भ्रर्यस्प ष्टवान्ते २३ वो स्व। तदिंद्रो २। हो १ इ। अर्थं
चैतो २३ तोइ। यूथेन वृष्णि। रोउजा ३ तोइ। यूथेना २३४ वृष्णाइरा ३
उवा ३। उप जो रतो ३५ हाइ। मुक्ष्वाहि केशिना हरी ओ। वृषणा कक्ष्य

उ. या२३ओ अयाना२हो१इ । ऐंद्र सोमा२३पोः । गिरा सुपश्रुतो१इ चो३२री
गिरासू२३४पो श्रुतो २३४वो२ उपू चो५२रो ३५हाइ ॥ ६ ॥ ॥ इति ।
१२ ॥ श्लोकद्वारमपो वाणू२ पश्येम शावय ᳲ रा १२१२ कृष्ट । औ२ जायो । औ
२३४५ त्रिः ॥ युंजे वो च ᳲ शतपदो । गाये सहस्रवर्त्तनि गायत्रं त्रैष्टुभं ज
गद्विश्वा रूपाणि संभृता । ओ२ देवा ओका ᳲ सी चा १२१२ कृष्ट । औ२ हो
इरो औ २३४५ । त्रिः ॥ उ. उपास्मै गायता नरः पवमाना येंदवे । अभिदे १२ ॥

वा ᳲ इयक्षते । अभि ते मधुना पयो थर्वाणो अशिश्रयुः । देवं देवाय देवयु
सनः पवस्व शं गवे शं जनाय शमर्वते ॥ शं ᳲ राजन्नोषधीभ्यः । दविद्युतत्या
रुचा परिष्टोभंत्या कृपा । सोमाः शुक्रा गवाशिरः । हिन्वानो हेतृभिर्हित आ
वाजं वाज्यक्रमीत् । सीदंतो वनुषो यथा । ऋधक् सोम स्वस्तये संजग्मा
नो दिवा कवे । पवस्व सूर्यो दृशे । पवमानस्य ते कवे । वाजिन्त्सर्गा अ
सृक्षत । अर्वंतो न श्रवस्यवः । अच्छा कोशं मधुश्चुतमसृग्रं वारे अव्यये ।
अवावशंत धीतयः । अच्छा समुद्रमिंदवो स्तं गावो न धेनवः । अग्मन्नृ

उ. तस्ययोनिमा। २॥ अग्निर्ज्योतिर्ज्योतिरग्नोम्। आग्निर्ज्योतिर्ज्योति
राग्नी। २ः अग्निर्ज्योतिर्ज्योता १२१२ कुं। आ २ आग्नो। आ २३४५।
१४ इंद्रोज्योतिर्ज्योतिरिंद्रोम्। आइंद्रोज्योतिर्ज्योतिराइंद्रा २ः इंद्रोज्यो श्रीराम
तिर्ज्योता १२१२ यिः। कुं। आ २ इंद्रो। आ २३४५ सूर्योज्योतिर्ज्यो
तिःसूर्योम्। सूर्योज्योतिर्ज्योतिःसूर्यो २ः सूर्योज्योतिर्ज्योता १२१२ यिः।
कुंम्। आ २ सूर्यो। आ २३४५॥ उपास्मैगायतानरोम्। ॐपा २ वा २ १४
मानायेंदावा २ अभिदेवाँ२ इया १२१२ क्षातो। सा २४५ त्र। कुंम्। उपा

स्मैगायतानरो। ॐपा २ वा २ मानायेंदावा २ अभिदेवाँ२ इया १२१२ क्षातो। सा ३४५ त्र
अभितेमधुनापयों। ॐमाथर्वाणो अशिश्वादे २ सुर्वेदेवायदा १२१२ कुंम्। आ २
म वायो। सा ३४५ सनःपवस्व शंगवो। ॐँशां २ आ २ ना २ य ५ शमर्वोतोईशा२ं रा
जो २ नो २ षधा १२१२ कुंम्। आ २। भायोस्रवा ३४५ः दाविधनातियारुतचों।
ॐपरिहिते भा २ रे तयो २ कपा २ सोमाः शुक्रा २ गोवा १२१२ कुं आ २ शाद्रि
रोदुङा। २४५ हिन्वानोदेत्वभिर्हितोम्। ॐआवाजंवाज्यक्रमी १२१२ सीदंतोवा
१२१२ नुषा १२१२ कुं आ २। याथो। वा ३४५ क। सधक्सोमस्रवस्तयों। ॐसं

ॐ प्रति ओग्मोनोदेो यइबोकायि। पवेस्वस्तेरियो१२१२ कुं आर इशो।आ ३४५।प

वसानस्यतेकवा। ॐ वाजिन्सर्गोउनास्ह् क्षाता २ अर्वेसोनभ्रवौ१२१२ कुं

१५ आर स्यावो।आ ३४५ अच्छा को शंमध‍क्ष्मतो।ओं मास्ह्ग्रवोरे अव्याया

२ अवोवशंतधो१२१२ कुंआर तायो।आ ३४५।अच्छा समुद्रमिंदवो। श्रीराम

ॐ मास्तगोवीनधेनवों २ अग्मन्त्रतस्ययो१२१२ कुं रमू।नोयिमो।

आ ३४५। अग्न आयाहिवीतयेग्रणानोहव्यदातये। निहोतासात्सिब १५

र्हिषि। तंत्वासमिद्भिरंगिरोघृतेनवर्धयामसि। इहच्छोचायविष्ठ्य।

सनःपृथुश्रवाय्यमच्छोदेवविवासिसि। इहदग्नेसुवीर्यम्॥ कुंम्।अग्नआ

याहिवीतयो।ॐ गार्णोनोहा २ व्यादातया २ इनाइहोतासा २ त्सोइबा

१२१२ कुंमू आर हाइषो।आ ३४५।।अग्नआ याहिवीतयों। ओं गार्णोनो

हाव्यदातायाईइनिहोतासात्सिबो१२१२ कुंमू।आर हाइषोआ ३४५।तंत्वा

समिद्भिरंगिरोमू।ॐ घृतेनवर्धयामासीइहच्छोचायवा१२१२ कुं आर

धायो।आ ३४५।सनःपृथुश्रवायियो।।ॐ माच्छोदेव विवासासी २ इह

दग्नेसुवो१२१२ कुं।आर रायो।आ ३४५ कुंमू।आनो।मित्रावरुणो।

ॐ घृतैर्गव्यूतिमुक्षतमा २ तंधारजा २ सिसु१२१२ कुंमू आर

उ कोनोऽआ २४५।उतत्यं२स्ता नमोहधो।औ माक्काद्दस्त्स्यरा ज्ञा या

२ः द्राधिष्ठोभिः स्नचो१२१२ कुं।आ२श्रोतो।ओ३४५ गन्दणानो

१६ जनदाग्निनो।योनो हतस्यसी दाता २ पातंसोमम्हता१२१२ कुं।आ

२वोर्द्धो।ओ३४५।औ पा हि स्नपुमो हितंबू इंद्रसोमंपिबाइमं।

रदंबर्हिः सदोमम।औत्वा ब्रह्मयुजा हरी वहतामिंद्र केशिना ना।

उपब्रह्माणिनः २८णु।ब्रह्माणस्त्वा वयंयुजा बयंयुजा सोमपामिंद्र रा.

मिंद्रसोमिनः।स्नतावंतोहवामहे१ कुं।आयाहि स्नपुमोहितो १६

।ओमा२इंद्र२सो२मंपिबा आइमामे दांवा१ही२ः सादा१२१२ कुं

।आ२मोमो।आ३४५।आयाहिस्नपुमाहितोंमू।ओं मा इंद्रसोमं

पिबो आइमा२मे दंबर्हिं सादा१२१२ कुंमू।आ२मोमो।आ३४५

औत्वाब्रह्मयुजो हरों।ओवाहता मिंद्र केशायिना२उपब्रह्माणि

नो१२१२ कुं आ२।शार्णो।आ३४५ ब्रह्माणस्त्वायुजावयों।ओं

सोमपामिंद्र सोमायिना२ः स्नतावंतोहवा१२१२ कुं आ२माहोआ३

४५ इंद्राग्नी आगतं स्नतंगीर्भिर्नभोवरेण्यं।अस्यपातंधियेषि

उ. तो। इंद्राग्नीजरितुःसचायज्ञोजिगातिचेतनः। अयापातमि
मꣳसुतं। इंद्रमग्निंकविछदायज्ञस्यजूत्यावृणे। तासोमस्येहतृंपतां
१७ हुं। इंद्राग्नीआगतꣳसुतम्। ओं गायिर्भिर्नभोवरेणीया १२१२ म
स्यपातं १२१२ धिया १२१२ हुं। आ २ षायितो आ ३४५ इंद्राग्नी
आगतंसुतों। ओं गायिर्भिर्नभोवरेणाया २ मस्यपातंधिया १२१२ रा.
हुं। आ २ षादूतो। आ ३४५। इंद्राग्नीजरितुःसचों। ओं याज्ञोजिगा १७
तिचेतनाः २ अयापातमिमा १२१२ हुं। आ २ सुतो आ ३४५। इंद्रम

इति प्रातःसवने लोकद्वारमपावो० वयंवीरा १२१२ हु०॥ २॥

ग्निंकविछदों। ओं याज्ञस्यजूतियावोणा २ यितोसोमस्येहतो १२१२ हुं
। आ २ पीतों। आ ३४५ अभित्वाशूरनोनुमो ३ दुग्धाइवधेनवः। ई
शानमस्यजगतःस्वर्दृशमीशानमिंद्रतस्थुषः। नत्वावाꣳअन्यो
दिव्योनपार्थिवोनजातोनजनिष्यते। अश्वायंतोमघवन्निंद्रवा
जिनोगव्यंतस्त्वाहवामहे। अभित्वाशूरनोनुमोवा। ओं मादुग्धाइ
वधेनवईशानमस्यजगतः। ओं वाभ्भा भुभ्भा भिभ्भबेभे भभ्भभीभ्भा
भभभभभभः सुवा ईर ३ ईशाम्। ओं ईशानमो २ ३ इंद्रा ३। स्व

उ. स्तू३४५ फ ओवा६ हाउवा। अस। ई सोवा। ॐ नामिंद्र स्तुषो न वा वो ३ अ
न्योदिवियो। ॐ वा भा भिम स्तु स्तु बो भ भा भा भ भो भि भि भो नण २३ थि
१८ रा:। न जा तो ना २३ जा ३ ना इ ष्या २३४ ता ॐ वा६ हाउवा। अस। नजो
वा। ओ नो न ज नि ष्यते अश्वायंतो मघवंनि। ॐ व ग भो भ भ भि भ भे भ
भो भ भो भ भ भ भ भिं द्रवा २३ जिना:। गव्यंतस्त्वा हे३ वामा २३४ स्त रा.
ओवा६ हाउवा अस। कुंम। उ त्वा ते जा त मं धसो। ॐ दो यि वि स इ मि १८
या दा दा २ इ उ ग्रं शर्मे महा १२१२ कुं। आ २ श्रावो आ ३४५ स न इं द्राय

यज्यवो। ॐ वारुणाय मरुद्राया २ वरिवो विसरो १२१२ कुं। आ २ स्त्रावो आ
३४५। एना विश्वानि अर्य अ ॐ ॐ द्युम्नानि मानुषाणा २ सिषा
संतो वना १२१२ कुं आ २ मा हो आ ३४५। उ त्वा तो ३ इ जा त मं धसा:।
ॐ दिवा इ सा। द्रू मिया २३ द दा ई उ ग्रं शर्मा। महा २३ श्र वा उ वा ३ २
२ यै स्तो षे ३४५। स न आ ३ इं द्रा यज्यवा थि। ॐ वरुणा १ या २ मरु २३ द्रियो:
१ वरि वो वा इ ष्ठ। परा २३ इ ष्व वा ३ स्तो षा ३४५ एव नावो ३ इ श्वानि उवो
अर्य आ। ॐ द्युम्नानि १ इमा २ नुषा २३ णाम। सिषा स तो। वना २३

ऊ. महाउवो३स्त्रौषे३४५ कुं। पुनानः सोमो३धारया २३४यो। ॐमायोवसा
१२ नोअर्षस्योरत्नधायोनिम्रतस्यसो२३दे सा ॐहा३उवा। उत्सोदेवोहि
रा२३हा ॐहा३उवा। ण्ययाओ३ होवाहो५ई डा। उत्सोदेवोहा३ई रण्या
२३४याः। ॐसुत्सोदेवोहिरण्ययो३दुहानः ३धार्दिवियंमधुरप्रियामो रा-
हो३उवा। प्रत्न ऊं सधस्थमा २३हा ॐहा३उवा। सदोदे३३होवाहो
५ई डा। प्रत्न ऊं सधस्था३मासा २३४ दात्। ॐ प्रात्नं सधस्थमासदद १२
२७ ४यं धरुणंवाजियार्षसो ॐहो३उवा। न्तभिधौतोविचा २३हो

ॐहा३उवा। क्षणोओ३होवाहो५ई डा। कुं। पुना ३१नो३ः सोमधारा२३
४या। ॐमापो३वसो२नआ३४५। षा२३५सी। आरात्नधायोनिम्रता
२स्यसा३४५ादा२३४सी। उत्सा२ः दायिवो२हिरा३४५ण्या२३४याः।
उत्सो३१दे३वोहिरण्या२३४याः। ॐसुत्सो३दायिवो२हिरा३४५
ण्या२३४याः। दुहानेऊ धौर्दिविया२मधू३४५प्री२३४यो। प्रत्नो२म
सो धा२स्थमा३४५मसो२३४दात्। प्रत्नो३१ऊं सा३धस्थमासा२३४
दात्। ॐप्रात्नो३ऊं सधा२स्थमा३४५ सो२३४दात्। आपार्छियोध
रुणोवा२जिया३४५। षो२३४सी। न्तभा२ऊं ५धोतो२विचा३४५।

उ. क्षो२३४णाः॥ कुंम्र। भ्रातृ।ॐ द्वापारिकोशांनिषी२३दोन्हभाई:पुना
नो३५अभिवाजमर्षा।अभ्यंनत्वावाजेनंमर्जया२३ताः।अच्छावर्हाइ
२० रशानाभा३४२ईनो३याप्ंता६५६ई। स्तवा।ॐ पुधापवतेदा इवई३ं
इरस्रास्तिहाइजनारदेमाणाः। पितादेवानांजनितासुदा२३क्षाः
।विष्टंभोदाईवो२धरुणा३४२:पा३थीप५इ।व्या६५६आर्षी:।ॐ
विप्राःपुरएताजना३नाम्हपुधीराउशनाकाव्येन।सचाद्धिवेदानि २०
हितंयदा२३साम्न।अपोयिाचियांगुहियन्ना३४२मा३गोप५।ना६५६।

हुं

कुंम्र।का५योनश्चा३यि०॥श्राग्निरवित्र। ता२३४वोदस्ममृतीषाहाम्न।ॐ
वसोर्मंदानारमांधा३सा औ२३भीवासंनस्वरसाइषुधेना२३४वाः।आ
२३इंद्रोम्न।गायिर्भिनेवो२३४वा। मा२३४हौ।औ२३४ इंद्रांगीर्भिर्नवामोहा
इ।ॐ यिंद्रुगीर्भिर्हाइनोव३वामा३हायिघू२३साएं स्रुदोनुनविषाइभा
इरावा२३४नोम्र।गा२३इरिम्र। नपुरुभो२३४वा।जा२३४साम्न।गार
३४ इरिंनपुरुभोजासाम्न।ॐ गिरिंनपुरु३भोधुंजा२३साम्न। दन२३मो
नेवाजे६ शतिनंरं साहस्रा २३४इणां।मा२३दो।गोमंतमो२३४वा।मोह

३. २३४हेम्। हुं। तरोसा३ इवीविद ह्सम्रं। ॐ मिंद्रं सबाधऊ तया २३ इबृह
क्षाया ३ं ता २३४ स्कतसोमे अध्वा ३ राइ। हुवाइमरोवा ३४३ ओ ३४ वा
नुको २३४५ रिणाएं हो ४५ इडा। हुवैमा ३ रन्नकारिणाम्। ॐ हुवाइ भेरान
२१ कारिका २३ नयेउधी ३ वा २३४ रंतैनस्त्रिरोम्ह ३ रो:। मदाइप्रशौवा ३४
२ॐ ३४ वा। प्रमा २३४५ धसाहो ५ इडा। मदेषू ३ शा इप्रयंधसो:। ॐ मदो
इषुशायिप्रयंधसा २३ ये औ हसो ३ सा २३४ शर्धानीय स्कन्वा ३ तायि। दोता
जेरोवा ३४ २ॐ ३४ वा। त्रेउ २३४५ स्त्रियाएं हो ५ इडा। हुंम्। स्वादिष्ठ २१
यामादिष्ठयो। ॐ पवस्वसोम धारया २ इंद्रायपातवा १२१२ हुंम्। आ २

सुतो। औ ३४ ५॥ रक्षोहा विश्वचर्षणीम्। औमाभियोनिमयोहतं २ इद्रो
णेसधस्थमा १२१२ हुं। आ २ सादो। औ ३४ ५। वरिवोधातमोभुवो। ॐ माएं
हिष्ठो वृत्रहंतमा २: पर्षिराधोमघो १२१२ हुं। आ २ नोमो। औ ३४ ५। हुं।
स्वादिष्ठयामदिा २ इष्ठया। ॐ पवा २ स्वा २३ सोमधा २ राया आ २३ इं
द्रो। या २ पातवा २३ हाउवा ३ सू २३४ तो:। रक्षोहा विश्वचा २ र्षणा इ: २ॐ
मभा २ इयो २३ नीमयो २ हा ता दू। द्रो २३ णे। सा २ धा स्थमा २३ हाउवा ३ सा २
३४ दोत। वरिवोधातमो २ भुवो:। ॐ मएं हा २ इष्ठो २३ वोत्रे हा २ तामा:॥
पा २३ षी। रा २ धोमा २३ हाउवा ३। घोना २३४ नाम्। हुंम्। पवस्वा ३ मधु

उ. मन्नो२३४मा:।।ओं भिंद्रायसोमा२ऋतुवाइन्ता३मो३मा३२३४दाः महा
ई। घक्षातो३मो३मा३४५दो६।हाइ।कुंम्।इंद्रमा३वैकतोइ२३४माई
१ॐ हषाणोयोतहोरा२३४या:।श्रुष्माइजोना।सईदी२३४५वा६५कृस्
२२ वर्विंदा२३४५:।कुं।पुरो३१जी३तीवोअंधा३सं एहिया।ॐ स्तुतायमा
दायिरनेवा२एहिया२३अपश्वनांपूश्वा३थी३।ष्ठा२३४ना।रेहा२
एहियार सरवायोदाइघों३जी३क्रो३४५यो६हाई।सखा३१यो३
दीर्घजिक्रो३यमेहिया।ॐ धारयापावकया२एहियापरिप्रस्यांदा३ यो २२।।
तो३इसू२३४ताः।एहा२एहिया२।कुं३इंदुरश्वोनोरेको३क्वो३४५यो

यो६हायि।।इंदू३१रा३श्वोनक्रत्वो३य एहियो।ॐ तांदुरोषमाभीनरा २
एहिया२सोमंविश्वाची३या३धा२२४या।एहा२एहिया२यज्ञीयसां
तेरेवा३द्वा३४५यो६हाई।।पुरोजितीवो१धासाः।ॐ स्तोतायमादा२
३या कुंमाधि२१२नवेअपश्वानांपूश्नथिष्ट।ष्टनो२३४५सोखो३
३वो।यो२दीर्घा२३जिह्वियामो२३होवाहो५इडा।सखायोदीर्घ
जीह्वयाम्।ॐ धारयापाव२३वोकुंमा२१२।कयापरिप्रस्यंदते स्तताः यो
आइंदो३उवोआरश्वोना२३कोर्श्वियाओ३होवाहो३५इडा।इंदुरश्वो
नका१त्तीया:।ॐ तंदुरोषमा२३भी कुम्मा२१२नरः सोमंविश्वाचीयाधि

३. यो२।। याइ्रो ३उवो । या२स्तं नू२३ वोइया औहोवा हो५ड्रा । कुंम्र । आयो वा
।ॐ प्रियाणि पवताइ्वनो हाइ्ता२नोमा नियक्वो अधियाइ्भुव धेता २इ् । आ
२३ स्तेयं स्यहृहतो ह्हे ओधी २२ राथा ३वाइ्यां चमरूहा २३ हाइ्वा ३ औ५णा
६५६ः क्रतो वा ।ॐ स्य जि ह्रापवताइ्म धाम्रायाः वक्रोपतिअस्याअ धियो
दोभायार ः। दधाति पुत्रः पित्रोरपीचाया २३। नामा ३तोर्चि यमधाइ् १०.
रो २३ चाना ३ दो५ड्रवा ६५६ अ वो वा ।ॐ छतो नः कलशाँ अचिक्रादा २ २३
न्नभि र्येमाणः कोश आ हिरण्याया २ई । अभी सतस्य दोहना अनूषाता २
३। ओ धी ३ आयिपाष्ठ उषासो २३ वाइरा ३ जा ५। सा ६५६३ । कुंम्र । यज्ञा
५ यज्ञा ३ वो ३ग्नाश्र याइ् ।ॐ मा इ्राइ्राचा २ दो क्षा ३ सा इ्पञी २ वयम मृतं
जात २३ वो हुम्भाइ् । दो २ साम्र । प्रायं मित्राः स्कशाः सि षा ३ । वा ३ ४५ ।
प्रायाम्र ।ॐ मा यित्राः स्कं ३ शांः सी ३ षाम्र जोनपार तः सि हिनोया २
३ मो हुं मा इ्रुस्मा ३ यूः । दा यो मह व्यदो २ तयाउ । वा ३ ४५ दा शे ।ॐ
मा हा व्या ३ दा ता ३ या २ हृम्कं वहो जे २ षा वितो म्र २३ वो हुं मा यि । वा ३ हुंडई
उतत्रो तो तनू २ना उ । वा ३ ४५ । दा शे ।ॐ मह व्य दा तये भुव द्वो जा
इ ३ वा हृा ३ जेभुवा २ वितो म्र २३ वो हुं मा यि । वा ३ हुंइ । उतत्रो तो तनू
२ना उ । वा ३ ४५ म्र ।। सा इ्ति इति श्री दीक्षित गोवर्धनेन विरचि

उ. नायांसोमसप्तसंस्थापद्धतौ अग्निष्टोमः समाप्तः श्रीरस्तु ॥ छ:

२५

343

॥ श्रीकृष्णार्पणमस्तु ॥

२५